- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बढ़ी हलचल

04 विपक्ष ने पूरी शांति से सुना वित्त मंत्री का बजट भाषण

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 02 फरवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 345

जानें कैसा है बजट 2024? टैक्स स्लैब में बदलाव क्यों नहीं?

वित्त मंत्री ने संयुक्त सदन में 57 मिनट का अंतरिम बजट भाषण दिया, गिनाईं उपलब्धियां

बीएनएम@नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में 'वित्त विधेयक, 2024' पेश किया है। हालांकि, मिनी बजट से देशवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीदें थीं। लेकिन, केंद्र सरकार ने अंतरिम बजट की परंपरा के मुताबिक ऐसी कोई बड़ी घोषणा नहीं की है। आम टैक्स पेयर्स को कोई राहत नहीं मिली है। सरकार ने टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया है। वित्त मंत्री ने संसद के संयुक्त सदन में 57 मिनट का अंतरिम बजट भाषण दिया. इसमें मोदी सरकार की 10 साल की उपलब्धियां गिनाईं।

बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, हमने अंतरिम बजट की परंपरा को जारी रखा है. दरअसल, कुछ महीने बाद ही आम चुनाव हैं. ऐसे में आम तौर पर अंतरिम बजट में प्रमुख नीतिगत घोषणाएं नहीं होती हैं. लोकलुभावन वादे नहीं किए जाते हैं. हालांकि, सरकार अर्थव्यवस्था के सामने आने वाले मुद्दों से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकती है. यही वजह है कि सरकार ने किसी तरह की घोषणाएं करने से परहेज किया है. हालांकि, कॉर्पोरेट टैक्स घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया है.

1. प्रधानमंत्री आवास योजना में हम तीन करोड़ मकानों का लक्ष्य पाने के करीब हैं. अगले पांच सालों में दो करोड़ और मकानों का निर्माण किया जाएगा. इसके अलावा, किराए के मकानों और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले मध्यम वर्ग के पात्र लोगों को खुद के मकान खरीदने और बनाने में मदद करने की योजना लाएंगे.

2. छत पर सौर प्रणाली लगाने से एक करोड़ परिवार प्रत्येक महीने 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली प्राप्त कर सकेंगे. परिवारों को हर वर्ष 15 से 18 हजार रुपए की बचत होगी. इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग सुगम हो सकेगी.

3. योग्य डॉक्टर बनना कई युवाओं की महत्वाकांक्षा होती है. ऐसे में और ज्यादा मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे. इसके लिए एक कमेटी गठित की जाएगी.

4. सर्वाइकल कैंसर से निपटने के लिए 9 से 14 साल की लड़कियों के टीकाकरण पर जोर दिया जाएगा.

5. आष्युमान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य देखरेख में सभी आशा कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकओं को शामिल किया जाएगा. आंगनबाड़ी और पोषण की योजना में तेजी लाई जाएगी. नया यू-विन प्लेटफॉर्म और मिशन इंद्रधनुष को लेकर पूरे देश में तेजी से काम किया जाएगा.

6. नैनो यूरिया को सफलतापूर्वक अपनाया गया है. जिसके बाद सभी कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी का प्रयोग किया जाएगा.

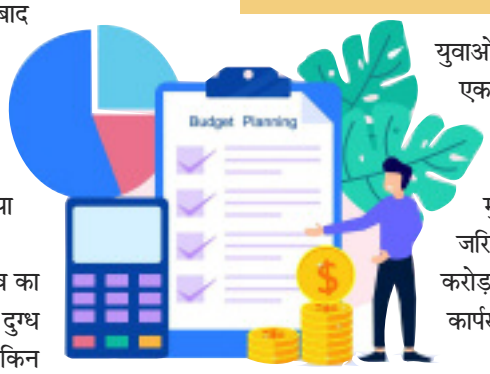

7. भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक है. लेकिन दुधारू पशुओं की दुग्ध उत्पादकता कम है. डेयरी किसानों की सहायता के लिए कार्यक्रम तैयार किया जाएगा. खुरपका रोग नियंत्रित करने की पहल की जा रही है.

8. मत्स्य पालन के लिए अलग विभाग स्थापित किया गया है. इनलैंड और जलकृषि उत्पादन दोगुना हो गया है. सीफूड का निर्यात भी दोगुना हो गया. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना को बढ़ावा दिया जाएगा. जलकृषि उत्पादकता को 3 टन से बढ़ाकर 5 टन किया जाएगा. निर्यात को बढ़ाकर 1 लाख करोड़ तक ले जाएंगे. मत्स्य संपदा योजना से 55 लाख नए रोजगार पैदा करेंगे. पांच एकीकृत पार्क एक्वापार्कों की स्थापना होगी.

9. 1 करोड़ महिलाएं पहले ही 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं. इस लक्ष्य को 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करने का निर्णय लिया गया है.

10. पीएम लाल बहादुर शास्त्री ने कहा था कि जय जवान जय किसान, पीएम अटल बिहारी वाजपेई ने कहा, जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान. पीएम मोदी ने कहा, जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान बना दिया है. नई पहल ही विकास का आधार है.

11. प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले हमारे युवाओं के लिए यह एक स्वर्णिम काल होगा. 50 वर्षीय ब्याज मुक्त लोन के जरिए एक लाख करोड़ रुपए का कार्पस स्थापित कि या जाएगा. इस कार्पस से दीर्घकालिक वित्तपोषण या पुनर्वित्तपोषण कम या शून्य ब्याज दरों पर उपलब्ध कराए जाएंग.

12. अगले वर्ष के अवसंरचना विकास परिव्यय में 11.1 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. कुल 11,11,111 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है. यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत होगा. परिव्यय में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में कई गुणा तेजी आएगी.

13. प्रधानमंत्री गति शक्ति के अंतर्गत पहचान किए गए तीन प्रमुख आर्थिक रेल गलियारों का शुभारंभ किया जाएगा. ये तीन गलियारे हैं - (i) ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारा, (ii) पत्तन संपर्कता गलियारा और (iii) अधिक यातायात वाला गलियारा. इन परियोजनाओं से न केवल कनेक्टिविटी बढ़ेगी बल्कि रसद व्यवस्था में सुधार आएगा और लागत में कमी आएगी.

14. यात्रियों की सुविधा, आराम और सुरक्षा बढ़ाने के लिए 40,000 सामान्य रेल डिब्बों को "वंदे भारत" मानकों के अनुरूप परिवर्तित किया जाएगा. मेट्रो रेल और नमो भारत रेल प्रणाली विशेषकर बड़े शहरों के आवागमन उन्मुख विकास को बढ़ावा देगी. रसद व्यवस्था संबंधी कार्यकुशलता बढ़ेगी और लागत में कमी आएगी. मेट्रो रेल और नमो भारत शहरी रूपांतरण के लिए उत्प्रेरक बन रहे हैं. बड़े शहरों में इन प्रणालियों के विस्तार को सहायता दी जाएगी.

15. पिछले 10 वर्षों में देश में हवाई अड्डों की संख्या दोगुना होकर 149 हो गयी है. उड़ान योजना के अंतर्गत और अधिक शहरों को हवाई मार्गों से जोड़ा गया है. 570 नए हवाई मार्ग 1.3 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं. देश की विमानन कंपनियां 1000 से अधिक नये वायुयानों की खरीद का ऑर्डर देकर विकास के मार्ग पर अग्रसर हो रही हैं. मौजूदा हवाई अड्डों का विस्तार और नये हवाई अड्डों का विकास कार्य तीव्र गति से जारी रहेगा.

वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले संसद का आखिरी सत्र बेहत महत्वपूर्ण है, जो 31 जनवरी से शुरु हो चुका है। इसके बाद एक फरवरी की सुबह बजट को घोषित किया गया है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया है। ये लोकसभा चुनाव और नई सरकार के चुने जाने से पहले का अंतिम बजट है। ऐसे में ये अंतरिम बजट है जिसे पेश किया गया है। इस अंतरिम बजट में कोई खास घोषणा नहीं की गई है।

16. स्किल इंडिया मिशन युवाओं की मदद कर रहा है. 3 हजार नए आईटीआई खोले गए. 7 आईआईटी, 16 आईआईआईटी, 15 एम्स और 390 विश्वविद्यालय स्थापित किये गये हैं. कौशल भारत मिशन ने 1.4 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया है. 54 लाख युवाओं को उन्नत और पुनः कुशल बनाया है.

17. हमारी सरकार ई-वाहनों के विनिर्माण और चार्जिंग अवसंरचना को सहायता प्रदान करेगी और ईवाहन इकोसिस्टम का विस्तार और सुदृढ़ीकरण करेगी. सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क के लिए अधिक से अधिक संख्या में ईबस के इस्तेमाल को, पेमेंट सिक्योरिटी के जरिए बढ़ावा दिया जाएगा.

18. उधार को छोड़कर कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 27.56 लाख करोड़ है, जिसमें से कर प्राप्ति 23.24 लाख करोड़ है. कुल व्यय का संशोधित अनुमान 44.90 लाख करोड़ है. 30.03 लाख करोड़ की राजस्व प्राप्ति बजट अनुमान से अधिक रहने की उम्मीद है. राजकोषीय घाटे का संशोधित अनुमान जीडीपी का 5.8 प्रतिशत है, जो अंकित विकास अनुमानों में कमी के बावजूद अनुमान की तुलना में बेहतर है।

19. 2024-2025 में उधार से इतर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 30 लाख करोड़ और 47.66 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। कर प्राप्तियों के 26.02 लाख रहने का अनुमान है। राज्यों के पूंजीगत व्यय के लिए 50 वर्षीय ब्याज मुक्त लोन योजना कुल 1.3 लाख करोड़ के परिव्यय के साथ इस साल भी जारी रखी जाएगी। वर्ष 2024-2025 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

20. नई कर योजना के तहत अब 7 लाख की आय वाले करदाताओं के लिए कोई कर देनदारी नहीं है। खुदरा व्यापार के लिए प्रीजमप्टिव कराधान की सीमा 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ की गई। इसी प्रकार प्रीजमप्टिव कराधानन के पात्र व्यवसायियों के लिए यह सीमा 50 लाख से बढ़ाकर 75 लाख की गई। कॉरपोरेट टैक्स का रेट मौजूदा स्वेदशी कंपनियों के लिए 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया है। कुछ नई विनिर्माण कपंनियों के लिए यह दर 15 प्रतिशत की गई।

जब हमने 2014 में सत्ता संभाली तो देश भारी चुनौतियों का सामना कर रहा था। 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र के साथ सरकार ने उन चुनौतियों पर काबू पाया। फंड ऑफ फंड्स युवाओं की मदद कर रहा है। खेलों में भी युवा परचम लहरा रहे हैं। हमारी सरकार विकास के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है जो सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी है।

हमारी जीडीपी का उद्देश्य है - गवर्नेंस, परफॉर्मेंस, डेवलपमेंट। हमारी अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सभी बुनियादी ढांचे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। टैक्स सुधारों ने यह सुनिश्चित किया है कि अधिक लोग टैक्स का भुगतान करें।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। महामारी ने दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है।

वर्कफोस में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी दिखने को मिल रही हैं। तीन तलाक को गैरकानूनी बनाया है। लोकसभा और राज्य विधानसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीट का आरक्षण दिया है।नपीएम आवास योजना के तहत 70 प्रतिशत से अधिक घर महिलाओं को दिए जा रहे हैं। महिलाओं को 30 करोड़ मुद्रा योजना ऋण दिए गए हैं. वर्कफोस में 43% महिलाओं का इनरोलमेंट हुआ है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 परिवर्तनकारी सुधारों की शुरुआत कर रही है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही हैं।

अगले पांच साल अभूतपूर्व विकास के साल होंगे। पीएम मुद्रा योजना ने 43 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए हैं।

देश को 2023 में एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों में अब तक का सर्वोच्च पदक प्राप्त हुए हैं। शतरंज के प्रतिभावान और हमारे नंबर 1 रैंक वाले खिलाड़ी प्रग्गनानंद ने 2023 में विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन के खिलाफ कड़ी टक्कर दी। आज भारत में 80 से अधिक शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं, जबकि 2010 में केवल 20 से अधिक थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बढ़ी हलचल

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने आज एक फरवरी को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से राजभवन में और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुख्यमंत्री आवास में जाकर मुलाकात की। दोनों की मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल विस्तार के जल्द होने के कयास लगाए जा रहे हैं। बता दें कि बिहार में एनडीए की सरकार बनने के बाद अब तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। जिन आठ मंत्रियों ने शपथ ली थी उनके विभागों का भी बंटवारा नहीं हुआ है। बिहार में 28 जनवरी को नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार का गठन हुआ था। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री ने जल्द मंत्रिमंडल विस्तार की बात कही थी। इस कारण मंत्रियों के विभाग का बंटवारा नहीं किया गया। अब मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हलचल बढ़ने लगी है। बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा आज पहले राज भवन गए। राज भवन से निकलने के बाद मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। बिहार विधान मंडल का सत्र 10 फरवरी से शुरू होने वाला है। 12 फरवरी को बजट भी पेश किया जाएगा। 10 फरवरी को ही सरकार विश्वास मत प्राप्त करेगी और विधानसभा अध्यक्ष को लेकर भी 10 फरवरी को ही फैसला हो जाएगा। ऐसे में मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होने की संभावना है। उसी को लेकर दोनों उपमुख्यमंत्री की गतिविधियां तेज हो रही है। ऐसे पहली बार हो रहा है कि शपथ ग्रहण के बाद भी विभाग का बंटवारा नहीं हुआ है।

कांग्रेस का इतिहास पिछड़ा-विरोधी, अब लूटना चाहते हैं जातीय सर्वे का श्रेय : सुशील मोदी

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास पिछड़ा विरोधी रहा है और अब वह जातीय सर्वे का श्रेय लूटने की कोशिश में है।

श्री मोदी ने गुरुवार को जारी बयान में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनके पिता राजीव गांधी ने मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू करने का विरोध संसद में खड़े होकर किया था, वे आज किस मुंह से बिहार में जातीय सर्वे कराने का श्रेय लेने की बात कह रहे हैं । उन्होंने कहा कि आज श्री राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है।

केंद्रीय बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य : मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार के अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सकारात्मक एवं स्वागत योग्य है। सीएम ने कहा कि सरकार मध्यम वर्ग के लिए विशेष आवास योजना लायेगी, जिसके तहत किराये के घरों एवं झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को आवास का लाभ मिल सकेगा। यह स्वागत योग्य कदम है।

सीएम ने कहा कि बजट में उच्च शिक्षा के लिए लोन की राशि बढ़ाई गई है, जिससे युवाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। तीन नये रेलवे इकोनॉमिक कॉरिडोर की शुरुआत होने से देश का आर्थिक विकास और तीव्र गति से हो सकेगा। इससे लॉजिस्टिक्स एफिशिएंसी में सुधार होगा और लागत में कमी आयेगी।

केंद्रीय बजट 2047 के विकसित भारत के संकल्प का दर्पण

कटिहार। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से आज संसद में पेश किये गये केंद्रीय बजट 2024-25 पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा के यह बजट वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प का दर्पण है। इस बजट में सभी वर्गों के लिए प्रावधान किए गए हैं। यह देश के मध्यम वर्ग, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के जीवन में सम्मान और समृद्धि लाने का बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में लखपति दीदियां, ब्याज मुक्त कर्ज की व्यवस्था, मुद्रा योजना, ब्लू इकोनामी, स्किल इंडिया जैसे कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं। सभी वर्गों के लिए बजट में समुचित प्रबंध किए गए हैं। आम जनमानस के लिए यह बजट काफी अच्छा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत बनाने में केंद्रीय बजट महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

सीएम को भाजपा प्रवक्ता संजीव मिश्र ने भेंट की श्रीमद्भगवद्गीता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजीव मिश्र ने शुक्रवार को मुलाकात कर श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की। साथ ही उन्हें बधाई भी दी।

श्रीमद्भगवद्गीता आपके द्वार अभियान के संस्थापक और पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता संजीव कुमार मिश्र ने मुख्यमंत्री आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की और नीतीश कुमार को नौवीं बार मुख्यमंत्री बनने पर गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता सप्रेम भेंट कर बधाई और शुभकानाएं दीं। साथ हीर मिश्र ने नीतीश कुमार को वृंदावन वाले राधे-राधे के अंगवस्त्रम से स्वागत अभिनन्दन भी किया। संजीव मिश्र ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घर-घर गीता, जन-जन गीता अभियान के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि विगत तीन वर्षों में अब तक ढाई लाख से ऊपर श्रीमद्भगवद्गीता बिहार समेत भारत के लोगों को निःशुल्क सप्रेम भेंट किया गया है और गीता जी का अभियान निरंतर जारी है। साथ ही बिहार में पुनः राजग की डबल इंजन सरकार बनने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चौमुखी विकास के लिए अद्वितीय कदम करार देते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की।

फेरबदल 10 फरवरी की जगह अब 12 फरवरी से बजट सत्र शुरू होगा

बिहार विधान मंडल के बजट सत्र में बदलाव

बीएनएम@पटना

विधानसभा का बजट सत्र अब 12 फरवरी से शुरू होगा जो 1 मार्च तक चलेगा। पहले 10 फरवरी से लेकर 1 मार्च तक बजट सत्र चलना था। लेकिन बिहार विधानमंडल के बजट सत्र में बदलाव किया गया है। 10 फरवरी की जगह अब 12 फरवरी से बजट सत्र शुरू होगा।

साथ ही विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग और नए विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा।

दरअसल, इस बजट सत्र में 12 फरवरी को 11.30 में राज्यपाल का अभिभाषण होगा। वहीं विधान मंडल के सत्र के पहले दिन सरकार के द्वारा विश्वास मत प्रस्ताव पेश होगा। वहीं 13 फरवरी को बिहार सरकार विधान मंडल में बजट पेश करेगी। विधानसभा के बजट सत्र काफी छोटा होगा। ये सत्र महज 11 कार्यदिवस में ही होगा।

इस बार का बजट सत्र काफी हंगामें दार होने के आसार दिख रहे हैं, क्योंकि विपक्ष भी काफी मजबूती स्थिति में है, विपक्ष के पास 114 विधायक है। बड़ी बजह यह है कि नई सरकार का गठन हुआ है और आरजेडी महागठबंधन के विधायक नौकरी और जातीय गणना सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरने का प्रयास करेंगे। तेजस्वी यादव ने पहले ही कह दिया है कि विधानसभा में देखिएगा अभी तो खेल होना बाकी है। अब देखना होगा कि 11 दिन के इस बजट सत्र में बिहार की जनता के लिए क्या कुछ होने वाला है या पूरे 11 दिन जनता के मुद्दे हंगामें की भेंट चढ़ जाएगा।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

पश्चिम चंपारण मे पेड़ पर लटकी लाश मिलने से सनसनी

बेतिया। जिला स्थित लौरिया थानाक्षेत्र के बेलवा गांव के रमना सरेह में तुरकाहा नाला के नजदीक पेड़ पर एक लटकता शव बरामद होने से सनसनी फैला गई है।

शव पेड़ पर रस्सी से बांध कर लटका हुआ था। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। इधर गुरुवार को बेलवा सरेह में कुछ महिलाएं घास कटाने गई हुई थीं। इसी बीच उन्हें भीलोर के पेड़ पर एक शव रस्सी से बंधा लटका हुआ दिखा। महिलाएं चिल्लाने लगी,जहां ग्रामीणों ने आकर देखा कि शव पेड़ पर लटका हुआ है। इधर लौरिया पुलिस सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंच गई और शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम कराने के लिए बेतिया गवर्मेंट अस्पताल भेज दी है।

प्रभारी थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि फिलहाल यह प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लगता है, लेकिन जबतक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आ जाता है, तबतक कुछ कहना सही नहीं होगा। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मृतक कबाड़ चुनता था और कुछ मानसिक विक्षित लगता था। उसकी उम्र करीब 25 वर्ष के आस पास बताई जा रही है। इधर पुलिस शव का शिनाख्त करने के लिए शहर के कई कबाड़ियों को बुलाकर दिखवा रही है, ताकि कोई उसे पहचान सके।

आर्केस्ट्रा में नर्तकी के साथ हथियार लहराने वाला युवक गिरफ्तार

मोतिहारी। जिले के चकिया थाना क्षेत्र में ऑर्केस्ट्रा के दौरान हथियार लहराते हुए नर्तकी के साथ डांस करना एक युवक को महंगा पड़ा।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने गुरुवार की शाम उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी थाना क्षेत्र के बारा गोविंद निवासी सुरेंद्र राय का पुत्र अनीश कुमार बताया गया है। इसकी पुष्टि करते हुए इंस्पेक्टर सह चकिया थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि गत 29 जनवरी को उक्त गांव में आये एक बारात के ऑर्केस्ट्रा में हथियार लहराते हुए नर्तकी के साथ उक्त युवक के डांस का वीडियो वायरल हुआ था।मामले की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपी से पुलिस पूछताछ में जुटी है।

सब इंस्पेक्टर के निधन पर डीएम व एसपी ने दी श्रद्धांजलि

मोतिहारी। जिला में दारोगा पद कार्यरत मधेपुरा जिला निवासी प्रदीप कुमार झा का गुरुवार को तड़के निधन हो गया।

55 वर्षीय प्रदीप कुमार झा को मंगलवार को स्वास्थ्य सम्बन्धी गड़बड़ी हुई जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल में दिखाया गया। जहां स्थिति में सुधार होने पर वापस वे पुलिस लाइन लौट गए। इस बीच गुरुवार की तड़के सुबह उनकी मौत हो गई है। इधर प्रभारी नगर थानाध्यक्ष श्रीराम राम के लिखित आवेदन पर उनके शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। जिसमें उनकी मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं बताया गया है। उनके पार्थिव शरीर को पुलिस लाइन के ग्राउंड में रखकर सम्मान के साथ सलामी दी गई और श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। मौके पर डीएम सौरभ जोरवाल, एसपी कांतेश कुमार मिश्र सहित कई पुलिस पदाधिकारी व जवान उपस्थित थे।

पुलिस ने 125 कार्टून विदेशी शराब किया बरामद

मोतिहारी। जिला पुलिस की टीम ने शराब तस्करी की योजना को नाकाम करते हुए 125 कार्टन (1072.080 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। इसकी जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि विदेशी शराब की तस्करी की मिली गुप्त सूचना के आलोक में सहायक पुलिस अधीक्षक, सदर शिखर चौधरी के नेतृत्व में भोपतपुर ओपी क्षेत्र में नाकाबंदी कर छापेमारी की गयी। इस दौरान बैरिया गांव स्थित एक मकान से 125 कार्टन विदेशी शराब बरामद किया गया।हालांकि शराब तस्कर मौके से फरार हो गये।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने इंटरमीडिएट परीक्षा केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

- **सीटिंग प्लान, फ्रिक्सिंग स्थल, सीसीटीवी कैमरा, वीडियोग्राफी, साफ-सफाई आदि का लिया जायजा।**
- **जिले के कुल-53 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालित हो रही है परीक्षा।**

बीएनएम@बेतिया

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा आयोजित इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2024 का आयोजन जिला/अनुमंडल मुख्यालय में कुल-53 परीक्षा केन्द्रों पर आज 01 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह परीक्षा 12 फरवरी तक दो पालियों में संचालित की जायेगी। परीक्षार्थियों की कुल संख्या-41056 है।

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय तथा पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी द्वारा गुरुवार को परीक्षा केन्द्रों औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान आर0 एल0 एस0 वाई0 कॉलेज, विपिन हाईस्कूल, गवर्नमेंट मिडिल स्कूल, धांगड़ टोली सहित अन्य विद्यालयों का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, केन्द्राधीक्षक एवं वीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सीटिंग प्लान, फ्रिक्सिंग स्थल, सीसीटीवी कैमरा, वीडियोग्राफी, साफ-सफाई, अन्य मूलभूत सुविधाओं आदि का जायजा लिया गया। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त पायी गयी। परीक्षा का संचालन स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त पाया गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा कार्य में संलग्न सभी केन्द्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों, उड़न दस्ता दल के दंडाधिकारियों, पुलिस बल के जवानों आदि को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का अशरक्षः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि हर हाल में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा का संचालन किया जाय। कदाचार में शामिल छात्र-छात्राओं सहित अन्य व्यक्तियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाय। उनके विरूद्ध नियमानुकूल कार्रवाई की जाय। ज्ञातव्य हो कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2024 दिनांक-01.02.2024 से प्रारंभ होकर 12.02.2024 तक संचालित होगी। परीक्षा दो पाली (प्रथम पाली 09.30 बजे पूर्वाह्न से 12.45 बजे अपराह्न तक एवं द्वितीय पाली 02.00 बजे अपराह्न से 05.15 बजे अपराह्न तक) में सम्पन्न होगी। प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के समय पूर्वाह्न 09.30 बजे से 30 मिनट पूर्व अर्थात पूर्वाह्न 09.00 बजे तक तथा द्वितीय पाली के परीक्षार्थी को द्वितीय पाली की परीक्षा प्रारंभ होने के समय अपराह्न 02.00 बजे से 30 मिनट पूर्व अर्थात 01.30 बजे अपराह्न तक ही परीक्षा भवन में प्रवेश की अनुमति है।

सखी सीटिंग प्लान, फ्रिक्सिंग स्थल, सीसीटीवी कैमरा, वीडियोग्राफी, साफ-सफाई आदि का लिया जायजा

अधिकारियों ने इंटरमीडिएट परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

शिवहर। जिले के कुल-09 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा आज पहले दिन संपन्न हुई है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा आयोजित इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2024 का आयोजन जिला में कुल-09 परीक्षा केन्द्रों पर आज 01 फरवरी से प्रारंभ हो गया है। यह परीक्षा 12 फरवरी तक दो पालियों में संचालित की जायेगी।

जिला पदाधिकारी पंकज कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार राय द्वारा आज परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया तथा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, केन्द्राधीक्षक एवं वीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।इस क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सीटिंग प्लान, फ्रिक्सिंग स्थल, सीसीटीवी कैमरा, वीडियोग्राफी, साफ-सफाई, अन्य मूलभूत सुविधाओं आदि का जायजा लिया गया।

ज्ञातव्य हो कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा इन्टरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2024 दिनांक-01.02.2024 से प्रारंभ होकर 12.02.2024 तक संचालित होगी। परीक्षा दो पाली (प्रथम पाली 09.30 बजे पूर्वाह्न से 12.45 बजे अपराह्न तक एवं द्वितीय पाली 02.00 बजे अपराह्न से 05.15 बजे अपराह्न तक) में सम्पन्न होगी।

प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के समय पूर्वाह्न 09.30 बजे से 30 मिनट पूर्व अर्थात पूर्वाह्न 09.00 बजे तक तथा द्वितीय पाली के परीक्षार्थी को द्वितीय पाली की परीक्षा प्रारंभ होने के समय अपराह्न 02.00 बजे से 30 मिनट पूर्व अर्थात 01.30 बजे अपराह्न तक ही परीक्षा भवन में प्रवेश की अनुमति है। विलम्ब से आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा भवन में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

बजट भारतीय अर्थव्यवस्था को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जायेगा : नड्डा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट को 'रामराज्य के विज़न' और विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का बजट बताया है और कहा है कि यह बजट भारतीय अर्थव्यवस्था को उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ायेगा।

श्री नड्डा ने संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गये अंतरिम बजट पर पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह कहा और इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण के प्रति आभार प्रकट किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, " यह अंतरिम बजट एक गरीब कल्याणकारी और देश के विकास के प्रति समर्पित दूरदर्शी बजट है। इस बजट में मातृशक्ति का दर्शन है, तो रामराज्य का विजन भी है। इस बजट में विकसित भारत का संकल्प है, तो आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य भी है। इस अंतरिम बजट में गरीब कल्याण, किसान का उत्थान, मातृशक्ति का सम्मान और नौजवानों की मुस्कान समाहित है। ऐसे सर्व स्पर्शी एवं सर्व समावेशी और देश के जन-जन और हर क्षेत्र के सर्वांगीण कल्याण के लिये समर्पित बजट के लिये मैं श्री मोदी तथा वित्तमंत्री श्रीमती सीतारमण और उनकी पूरी टीम को अपनी पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं और उनका अभिनंदन करता हूं।"

श्री नड्डा ने कहा, " पिछले 10 वर्षों में श्री मोदी ने अथक परिश्रम के साथ जहां लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है तो वहीं दूसरी ओर भारत ने अर्थव्यवस्था में प्रगति के सारे रिकार्ड भी तोड़ डाले हैं। यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य की बुनियाद है। हम गरीबी हटाने का नारा नहीं देते बल्कि गरीबी दूर करके दिखाते हैं। हम विकसित और विकास की केवल बात नहीं करते बल्कि विकास को घर-घर पहुंचाने में यकीन रखते हैं।"

उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट में मध्यम वर्ग के लिये आवास योजना लाये जाने का निर्णय एक क्रांतिकारी कदम है। अगले पांच साल में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लगभग दो करोड़ घर बनाने का निर्णय लिया गया है। अगले पांच साल में अब हमारी सरकार तीन करोड़ से अधिक लखपति दीदी बनाने का सुनियोजित लक्ष्य रख कर चली है। एमएसएमई सेक्टर को ग्लोबल बनाने के लिये सरकार ने जो निर्णय लिया है, वह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी।

श्री नड्डा ने कहा कि इस बजट में पर्यटन पर भी खासा ध्यान रखा गया है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिये हमारी सरकार ने 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' के तहत एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाये जाने का निर्णय लिया है। इस अंतरिम बजट में किसान, मध्यवर्ग, महिला से लेकर सभी वर्गों को और उसकी जो रूप-रेखा रखी है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था को सही रास्ते और उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ायेगी।

विपक्ष ने पूरी शांति से सुना वित्त मंत्री का बजट भाषण

नयी दिल्ली। नये संसद भवन में गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024-25 अंतरिम बजट पेश किया गया जिसे विपक्ष ने पूरी शांति से सुना और एक शब्द भी टोकाटाकी नहीं की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 56 मिनट में अंतरिम बजट प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, रेल एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव, नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मौजूद थे।

पिछले सत्र में निलंबित किये गये विपक्ष के सांसद सदन में मौजूद थे। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी मौजूद थीं जबकि श्री राहुल गांधी नहीं आये थे। वित्त मंत्री के बजट भाषण पढ़ने के दौरान विपक्ष की बेंचों पर शांति बनी रही और सत्तापक्ष पर कोई टोकाटाकी या टिपण्णी नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

हुई। संसद भवन की सुरक्षा केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के हाथों में जाने के बाद मीडिया कर्मियों को नये सुरक्षा नियमों से परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा कर्मियों ने पत्रकारों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगा दिये और प्रेस गैलरी के बाहर मोबाइल फोन के साथ पर्स भी रखवा लिये।

बजट अमीर केंद्रित, गरीबों के लिए खोखले दावे: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बजट को अमीरों के पक्ष में बताते हुए कहा है कि इसमें बेरोजगार युवाओं के लिए कुछ नहीं हैं और रंग-बिरंगे शब्दों में सिर्फ खोखले दावे किए गये हैं।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने गुरुवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूरे बजट भाषण में किसानों के बारे में बात की, लेकिन किसान की नाखुशी को दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गये हैं। वित्त मंत्री ने कृषि श्रमिकों सहित किसानों की आत्महत्या की संख्या का खुलासा नहीं किया। किसानों का गुस्सा पूरी दुनिया ने देखा और तीन अन्यायपूर्ण कृषि कानूनों का विरोध किया। वित्त मंत्री ने किसानों की दुर्दशा के कारणों को भी स्वीकार नहीं किया।

BORDER NEWSMIRROR

Friday 02 February 2024

Editorial

आमजन के राम

राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक रही है। इसीलिए राष्ट्र के समक्ष सुरसा के जबड़ों की भांति फैले हुए सद्य संकटों की रामकहानी समझना और उनका मोचन इसी से मुमकिन है। शर्त यही है राम में रमना होगा, क्योंकि वे "जन रंजन भंज न सोक भयं" हैं। बापू का अनुभव था कि जीवन के अंधेरे और निराश क्षणों में रामचरित मानस में उन्हें सुकून मिलता था। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि "राम का असर करोड़ों के दिमाग पर इसलिये नहीं है कि वे धर्म से जुड़े हैं, बल्कि इसलिए कि जिन्दगी के हरेक पहलू और हरेक कामकाज के सिलसिले में मिसाल की तरह राम आते हैं। आदमी तब उसी मिसाल के अनुसार अपने कदम उठाने लग जाता है।" इन्हीं मिसालों से भरी राम की किताब को एक बार विनोबा भावे ने सिवनी जेल में ब्रिटेन में शिक्षित सत्याग्रही जेसी कुमारप्पा को दिया और कहा, "दिस रामचरित मानस ईज बाइबल ऐंड शेक्सपियर कम्बाइन्ड।" लेकिन इन दोनों अंग्रेजी कृतियों की तुलना में राम के चरित की कहानी आधुनिक है, क्योंकि हर नई सदी की रोशनी में वह फिर से सुनी, पढ़ी और विचारित होती है। तरोताजा हो जाती है। गांधी और लोहिया ने सुझाया भी था कि हर धर्म की बातों की युगीय मान्यताओं की कसौटी पर पुनर्समीक्षा होनी चाहिए। गांधीजी ने लिखा था, "कोई भी (धार्मिक) त्रुटि शास्त्रों की दुहाई देकर मात्र अपवाद नहीं करार दी जा सकती है।" (यंग इण्डिया, 26 फरवरी 1925)। बापू ने नये जमाने के मुताबिक कुरान की भी विवेचना का जिक्र किया था। लोहिया तो और आगे बढ़े। उन्होंने मध्यकालीन रचनाकार संत तुलसीदास के आधुनिक आलोचकों को चेताया, "मोती को चुनने के लिए कूड़ा निगलना जरूरी नहीं है, और न कूड़ा साफ करते समय मोती को फेंक देना।" रामकथा की उल्लास-भावना से अनुप्राणित होकर लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला की सोची थी। उसके पीछे दो प्रकरण भी थे। कामदगिरी के समीप स्फटिक शिला पर बैठकर एक बार राम ने सुन्दर फूल चुनकर काशाय वेशधारिणी सीता को अपने हाथों से सजाया था। (अविवाहित) लोहिया की दृष्टि में यह प्रसंग राम के सौन्दर्यबोध और पत्नीव्रता का परिचायक है, जिसे हर पति को महसूस करना चाहिये।

बालिकाओं की सुरक्षा के हों गम्भीर प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा

लड़कियों को सशक्त बनाने और समाज में उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के महत्व को उजागर करने के लिए भारत में हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह लड़कियों के अधिकारों और अवसरों को बढ़ावा देते हुए उनकी ताकत और क्षमता का जश्न मनाने का दिन है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में पहली बार राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाना शुरू किया गया था। देश में लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों के बीच जागरुकता फैलाना व बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देना इसको मनाने का मुख्य उदेश्य है। 24 जनवरी 1966 को पहली बार बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपना कार्यभार संभाला था। उस दिन की याद में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2024 का विषय है आइए हम अपनी लड़कियों को सशक्त, स्वतंत्र और निडर बनाएं। भारत में आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद भी वह अनेक कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उसके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरुक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। आज हजारों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है। हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी हो गयी है। देश में यह बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं, लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं, जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। इस योजना ने भारत में सीएसआर (बाल लिंग अनुपात) में गिरावट के मुद्दे पर चिंता जताई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 15 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है, जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2022-23 में 15 अंक बढ़कर 933 हो गया। देखा जाए तो अगर समाज में बेटियों को भी उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो वह किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेंगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है। तो इसमें कोई गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम इन बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाएं।

(लेखक स्तंभकार हैं)

Today's **Opinion**

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से समस्त भारत हुआ राममय

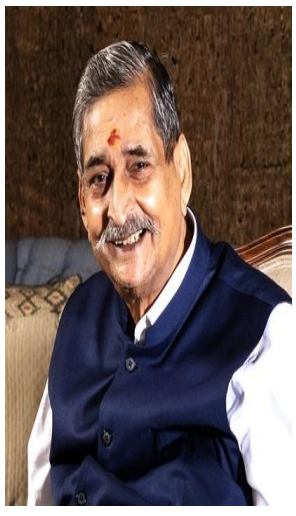

आर.के. सिन्हा

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य रूप से सम्पन्न हो गई। संत समाज के अलावा पूरे विश्व से मात्र लगभग ढाई-तीन हजार चुनिंदा लोगों को आमंत्रित किया गया, जिसमें सौभाग्य से मैं सपत्नीक आमंत्रित था। यह सबों के लिये जीवन के एक दुर्लभ क्षण के रूप में याद रखा जाएगा। यह कल्पना से परे अविस्मरणीय दृश्य रहा। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि-विधान के साथ रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसके साथ ही सारा देश सारा देश राममय हो गया। पूरे देश क्या विश्व भर के राम भक्तों के मन में भावनाओं की अनंत आनंद के हिलोरें हैं। भावनाओं की अभिव्यक्ति में शब्द सक्षम या पर्याप्त नहीं हैं। कश्मीर में बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों से लेकर कन्याकुमारी में धूप से सराबोर समुद्र तटों तक, राम नाम की गूंज ने पूरे भारत में भक्ति का माहौल बना दिया है। अब अयोध्याधाम में ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर भारत की एकता और भक्ति के प्रतीक के रूप में खड़ा है, न केवल भव्यता में, बल्कि देश-विदेश से मिले योगदान के रूप में भी यह मंदिर अद्वितीय है। कई बुद्धिमान कह रहे थे कि दक्षिण के प्रदेशों में, खासकर तमिलनाडु और केरल में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का विरोध हो रहा है। लेकिन , आज अयोध्या की सड़कों पर जो दृश्य मैंने देखा वह तो बिलकुल अलग रहा। छोटी सी अयोध्या नगरी में लाखों स्त्री -पुरुष मौजूद हैं । कोई सड़क खाली नहीं दिख रही । सरयू का तट भी भरा है। इसमें पूरे देश के सभी राज्यों से आये हुए लोग थे। तमिलनाडु के लोग तो भरपूर संख्या में रहे । शंकर महादेवन का राम का भजन तो अद्भुत था । प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समेत हजारों राम भक्तों की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो गया।सभी के सभी अथिति सुबह दस बजे से लेकर साढ़े तीन बजे तक मंत्र मुग्ध होकर बैठे रहे, चाहे अमिताभ बच्चन हो या मुकेश अंबानी, सचिन तेंदुलकर हों या अक्षय कुमार , माधुरी दीक्षित हों, कंगना रानौत, श्री श्री रविशंकर हों या बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री , हेमा मालिनी जी हों या दीदी मां साध्वी ऋतंभरा, सब के सब साढ़े पांच घंटे बैठे रहे। मुझे भी सपत्नीक इस अनुपम और यादगार अवसर पर रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। बेशक, यह मंदिर उस अटूट विश्वास और उदारता का प्रमाण है जो किसी सीमा से परे किसी मंदिर के तीर्थाटन के लिए पूरे देश को जोड़ती है। मंदिर का मुख्य भाग तो राजसी ठाठ-बाट लिए हुए है। यह राजस्थान के मकराना संगमरमर की प्राचीन श्वेत शोभा से सुसज्जित है। इस मंदिर में देवताओं की उत्कृष्ट नक्काशी कर्नाटक के चर्मोथी बलुआ पत्थर पर की गई है। जबकि, प्रवेश द्वार की भव्य आकृतियों में राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। मैं मानता हूं कि इस मंदिर के लिए भक्तों का किया गया योगदान निर्माण सामग्री से लेकर कहीं आगे तक जाता है। मंदिर में गुजरात की उदारता उपहार स्वरूप 2100 किलोग्राम की शानदार अष्टधातु घंटी के रूप में दिखती है जो इसके हॉलों में दिव्य धुन के रूप में गूंजा करेगी । इस दिव्य घंटी के साथ, गुजरात ने एक विशेष 'नगाड़ा' ले जाने वाला अखिल भारतीय दरबार समाज द्वारा तैयार 700 किलोग्राम का रथ भी उपहार स्वरुप दिया गया है। भगवान राम की मूर्ति बनाने में इस्तेमाल किया गया काला पत्थर कर्नाटक से आया है। हिमालय की तलहटी से अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा ने जटिल नक्काशीदार लकड़ी के दरवाजे और हस्तनिर्मित संरचना पेश किए हैं, जो दिव्य क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में खड़े हैं। इस भव्य और दिव्य मंदिर के लिए योगदान की सूची यहीं खत्म नहीं होती। पीतल के बर्तन उत्तर प्रदेश से हैं। यहां पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी भरपूर क्रेडिट देना होगा जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण कार्य की प्रगति को निरंतर बारीकी से खुद देखा। उनकी राज्य के मुख्यमंत्रित्व के दायित्वों के साथ-साथ मंदिर के निर्माण के काम पर पैनी नजर रही। राम मंदिर की कहानी सिर्फ सामग्री और उसकी भौगोलिक उत्पत्ति के बारे में बताकर ही समाप्त नहीं होती है ।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

विविधा

पुस्तक समीक्षा :स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा

कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है।कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है,कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है। कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं मेंऔरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वही दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूतीं है तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीति के समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक'अच्छी औरतें'और'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी,खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ माद्दा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार,स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ़्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफ़ूज़, शातिर, खफ़ीफ़, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, ज़ुम्बिश, शोख जर्द गुज़स्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है।' मुट्ठी में बंद वर्फ की मानिंद' तथा 'मुट्ठी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित'ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की ईंट साबित होगीं।

पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)
रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)
प्रथम संस्करण -2021
प्रकाशक बोधि प्रकाशन,जयपुर मूल्य- 175/-

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं,ऐसे में उसका क्या भला होगा,उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने के बारे में,अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है,वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा,फिर आपको उसे खोने से बचाना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा ? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर करते हैं,अर्थात विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना,अर्थात हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों,यहाँ पर जानने का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा,किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा,तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हें आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकट्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें,अपनी सामर्थ्य को जाने,फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना,क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिये प्रयास करते हैं,आत्म को जानने का अर्थात आत्मविश्वासी होने का।

नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी

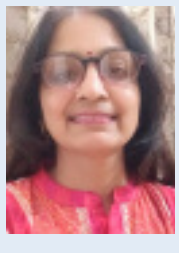

जब कभी..वह आदमी
बनना चाहता है
थोड़ा सा इंसान,
विरोध के स्वर
हो जातें हैं और भी प्रखर!!

जब कभी..वह आदमी
थोड़ा सा प्रेम चाहता है
समय की दीवारें
रचती हैं साजिशें!!

जब कभी..वह आदमी
चाहता है
थोड़ा सा एकांत,
एक शोर गूंजने लगता है
अंतस में!!

जब कभी..वह आदमी
लिखना चाहता है एक कविता
सिर्फ स्वयं के लिए,
अनपढ़ सी हो जाती हैं
सारी इच्छाएं!!

और..
जब कभी..वह आदमी
मसीहा कहलाता है
परिवर्तित हो जाता है चुपचाप
ईश्वर में!!

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ

मनु को कष्ट नहीं होना है
होगा प्रलय!
किंतु यह सच है,
सब कुछ नष्ट नहीं होना है।
प्रकृति हमारी प्राणदायिनी,
नहीं मरेगी,
आया हो कोई दुख अविहित,
स्वयं हरेगी,
होगा अनय!
किंतु यह सच है,
मन यह तष्ट नहीं होना है।
किसी भयानक डर,
अकाल से, नहीं डरेगी,
बुरे दिनों के,
हर हालत में,पेट भरेगी,
होगा डयन!
किंतु यह सच है,
पहिया भ्रष्ट नहीं होना है।
अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का,
एका होगा,
काम सभी झटपट निबटेंगे,
ठेका होगा,
होगा चयन!
किंतु यह सच है,
मनु को कष्ट नहीं होना है।

©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़

मुखौटा

सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने,सब्र को आजमाना छोड़ देती है!
साजिशें बुलंद होती हैं,जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!
रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!
हुकुमतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं!
मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं!
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाईयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरतीं हैं!
बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें,मूक तमाशबीन बनतीं हैं!
बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करतीं हैं!
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलतीं हैं!

प्लास्टिक के विरोध में कपड़ों की लाखों थैली बांटने वाली अनुभा पुंढीर को मिलेगा विष्णु प्रभाकर स्मृति राष्ट्रीय सम्मान

कमलेश- साहित्य, जनक दबे- पत्रकारिता, सीताराम - शिक्षा और अर्पणा - कला के लिए होंगें सम्मानित

हेमलता म्हस्के

नई दिल्ली। प्लास्टिक के विरोध में गांव -गांव और शहर -शहर में सघन अभियान चलाने वाली डॉ अनुभा पुंढीर को समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान देने की घोषणा की गई है।

अनुभा जानी मानी नृत्यांगना भी हैं लेकिन अपने गृह राज्य उत्तराखंड में प्लास्टिक के इस्तेमाल के विरोध में उन्होंने लाखों लोगों को अपनी संस्था की ओर से कपड़े के थैले मुहैया कराए। उनके प्रयास से असंख्य लोगों ने खुद को सदा के किए प्लास्टिक से अलग थलग कर लिया।

इनके अलावा दिल्ली के कमलेश कमल को साहित्य के लिए, अहमदाबाद गुजरात के- जनक दवे को पत्रकारिता के लिए गांधीनगर के सीताराम बरोट 'सत्यम' को शिक्षा के लिएऔर दिल्ली की- अपर्णा सारथे को कला के लिए विष्णु प्रभाकर स्मृति सम्मान दिए जायेंगे।

राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान गांधी हिंदुस्तानी साहित्य सभा, नई दिल्ली और विष्णु प्रभाकर

प्रतिष्ठान, नोएडा द्वारा संचालित सन्निधि संगोष्ठी की ओर से दिया जाएगा। पिछले दस सालों से सन्निधि संगोष्ठी द्वारा हरेक साल में दिसंबर में काका साहब कालेलकर और जून में विष्णु प्रभाकर की याद में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली पांच- पांच युवा हस्तियों को काका साहब कालेलकर सम्मान और विष्णु प्रभाकर सम्मान से सम्मानित किया जाता है। ये सम्मान युवा हस्तियों में नैतिक ऊर्जा भरते हैं और युवाओं में उत्साह का संचार होता है। वे प्रोत्साहित होकर सृजन के नए आयाम रचते हैं।

विष्णु प्रभाकर प्रतिष्ठान के मंत्री अतुल कुमार के मुताबिक ये सम्मान युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिए जाते हैं। इस साल विष्णु प्रभाकर सम्मान समारोह 17 जून को दिल्ली स्थित सन्निधि सभागार में आयोजित किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध राष्ट्रीय दैनिक

जनसत्ता के संपादक और दर्जनों किताबों के लेखक मुकेश भारद्वाज सभी युवा हस्तियों को सम्मानित करेंगें।

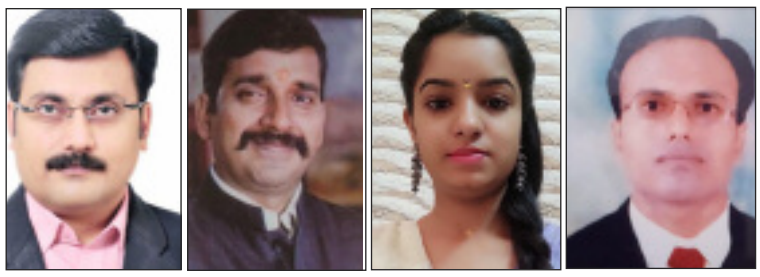

उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए देहरादून की डॉ अनुभा पुंढीर को सम्मानित किया जाएगा। एडिथ कैविन यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया से एम बी ए, पर्यावरण विज्ञान में स्नातक, एस एम यू बडोदरा से भारतीय नाट्यकला में स्नातक व आपदा प्रबंधन व योग तथा मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त तथा आई आई एम बंगलूर से जुड़ी प्रोफेसर डा०अनुभा पुंढीर वैसे तो जानी मानी नृत्यांगना हैं लेकिन उनकी उत्तराखंड राज्य में प्लास्टिक विरोधी अभियान की प्रमुख और देश में पर्यावरण रक्षा हेतु समर्पित कार्यकर्ता के रूप में सर्वत्र ख्याति है।

वे आज भी इस अभियान में जोर-शोर से लगी हैं तथा जनजागरण के द्वारा प्लास्टिक विरोध की आवाज बुलंद कर रही हैं। वे कई पुरस्कारों से सम्मानित की जा चुकी हैं। साहित्य के लिए कमलेश कमल को विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

कमलेश कमल पिछले 15 सालों से साहित्य लेखन के क्षेत्र में सक्रिय हैं,आई टी बी पी के डिप्टी कमांडेंट कमलेश कमल ने हिंदी के विकास के लिए अनेक विश्वविद्यालयों में विमर्श का आयोजन किया।

कमल पूरी तरह से हिंदी साहित्य के विकास के लिए समर्पित हैं और अनेक संस्थाओं के जरिए हिंदी के विकास के लिए निरंतर कार्यरत हैं इनको कई सम्मानो से भी नवाजा गया है। कई किताबें भी प्रकाशित हुई हैं। दो हजार से अधिक रचनाओं का सृजन भी किया है।

इसी तरह सीताराम बरोट सत्यम को शिक्षा के लिए सम्मानित किए जायेंगे। लेखन और अन्य प्रदर्शन कला के जरिए बच्चों को शिक्षित करने के क्षेत्र में सीताराम की भूमिका बहुत अहम है। अपर्णा सरथे को कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विष्णु प्रभाकर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

अहमदाबाद गुजरात के जनक दबे को श्रेष्ठ पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया जाएगा। उन्होने युक्रेन के युद्धग्रस्त क्षेत्र की लाइव कवरेज की, इस क्षेत्र में कार्य का इन्होने विशेष प्रशिक्षण लिया है।

ज्योत्स्ना शर्मा प्रदीप (देहरादून)

चलो भरें हम भू के घाव

(जयकरी/चौपाई छन्द)

धरती जीवन का आधार।
धरती पर मानव - परिवार।।
जीव - जंतु की भू ही मात।
धर्म - कर्म कब देखे जात।।

झील, नदी, नग, उपवन, खेत।
हिमनद, मरुथल , सागर,रेत ।।
हिना रंग की मोहक भोर।।
खग का कलरव नदिया शोर।।

करे यहाँ खग हास-विलास ।
अलि, तितली की मधु की प्यास।।
सजा रहे रजनी के केश।।
तारों के दीपित हैं वेश।।

नभ में शशि -रवि के कंदील।
चमकाते धरती का शील।।
युग बदला मन बदले भाव।
मानव के अब बदले चाव।।

हरियाली के मिटे निशान।
वन, नग काटे बने मकान।।
मानव के मन का ये खोट।
मही -हृदय को देता चोट।।

मत भूलो हम भू - संतान।
करो सदा सब माँ का मान।।
हरियाली का कर फैलाव।
चलो भरें हम भू के घाव ।।

इंदिरा दाँगी

कहानी: रेलवे फाटक

बाबूजी कितने सच्चे यक़ीन से कहते थे, “न बेटा, गलत बात! किसी का कर्जा लेके मरेंगे तो अगले जन्म में बैल बनके चुकाना पड़ेगा!” बाबूजी अब दुनिया में भले न हों; लेकिन अपने दिए संस्कारों में शेष हैं। ...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते!

...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते! रेलवे क्रॉसिंग का फाटक बंद होते ही, फ़ोरलेन सड़क के दोतरफ़ा, दूर तक वाहनों की भीड़ लग गई।

नंदन ने स्कूटर की चाबी बंद-स्थिति की ओर घुमाई ...पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं! चिलकती धूप में दूर तक चौपहियों, दुपहियों के चिड़चिड़ाते-परेशान ड्रायवर हैं। नंदन ने सोचा, आधा मिनिट भर में ये जो अनगिनत गाड़ियाँ इधर-उधर आ रुकी हैं, इनकी क़ीमत करोड़ से तो ऊपर होगी! ... आधा मिनिट भर में करोड़! और उसकी वेतन है आठ हज़ार रुपये महीना। बचत पाँच-सात सौ बमुश्किल! उसका मन हँसता है; ईश्वर तेरी माया, कहीं धूपकहीं छाया!

...और ईश्वर से परम डरने वाले उसके निरीह बाबूजी संस्कारों की पाटी पर जिंदगी का चंदन घिसते-घिसते मर गये। बेमन से ही सही, वो भी घिस ही रहा है अपने आप को उसी पाटी पर! लाख चाहे वो, कभी बन ही नहीं सकता, सोच भी नहीं सकता उन चार सौ बीसियों के बारे में जिनसे रातोंरात ऐसी एसयूवी-एमयूवी-सेडॉन गाड़ियाँ ख़रीदी जा सकें! बाबूजी कितने सच्चे यक़ीन से कहते थे, “न बेटा, गलत बात! किसी का कर्जा लेके मरेंगे तो अगले जन्म में बैल बनके चुकाना पड़ेगा!” बाबूजी अब दुनिया में भले न हों; लेकिन अपने दिए संस्कारों में शेष हैं। ...संस्कार हैं कि लाख खर्चने पर भी कम नहीं होते!

गाड़ियों की चिल्लपों, मौसम की उमस, उड़ती धूल और हर स्कूटर-कार की -और - और आगे, क्रासिंग लाइन के बिल्कुल पास जा पहुँचने की होड़-जल्दबाज़ी को नंदन देख रहा है। मोटरसाइकिल वाले एक परिवार के लोग -युवा दम्पति और उनकी दो नन्ही बेटियाँ -बंद क्रॉसिंगगेट के नीचे से निकलकर पटरियाँ पार कर रहे हैं। उधर, दूर दिशा से रेल अपने आने की व्हिसल ‘कूँऊँऊँऊँऊँ, कूँऊँऊँऊँऊँ’ की ध्वनि में जैसे किसी हत्यारिन की तरह अंतिम धमकियाँ देती है। दम्पति की पीछे रह गयीं बेटियाँ अपनी नन्ही-लिटपिटाई दौड़ में पटरियाँ पार कर रही हैं। ...हिन्दुस्तान में अधिकांश शिक्षित लोग वास्तव में अर्द्धशिक्षित हैं!

सब-की-सब, वे करोड़ों की गाड़ियाँ क्षणांश में आगे जाने को आतुर हो उठीं। बहुत उतावलेपन में कई बोनट-मडगार्ड अपने अगलों-पिछलों से छुल गये हैं; रेलवे फाटक नहीं खोला गया है।

शायद दूसरी रेल भी पास होगी। वाहन और वाहन वाले अपनी-अपनी जगह कसमसाकर रह गये हैं। अब पहले से कहीं अधिक दुपहिये-साइकिल सवार क्रॉसिंग गेट के नीचे से निकल-निकलकर बंद पटरियाँ पार करने लगे हैं।

लोगों में कुछ क्षणों का भी धैर्य चुक गया है जैसे। नंदन को कोई शायर याद आता है,

इस शहर में हर शख़्स परेशान-सा क्यूँ है?

“होरा ले लोऽ! बूँट ले लोऽ!''

होरहा बेचने वाले ठेले की तरफ़ उसका ध्यान गया। काबुली होरहों के ताज़े भुने ढेर से उठती ख़ुशबू यहाँ तक उड़ आई है। ‘बच्चों के लिए लेता चलूँ’ सोचकर नंदन ने गाड़ियों की भीड़ में से जैसे-तैसे निकालकर स्कूटर सड़क के किनारे ठेले के पास को कर लिया।

“होरहे कैसे दिये?”

“अस्सी रुपये किलो।”

हैसियत-पार की चीज़ से तुरंत ध्यान हटाया नंदन ने।

“ये बिना भुने?”

“ये साठ के किलो हैं।''

उसने दिल में कहा, “साली, हर चीज़ इतनी मँहगी है इस शहर में!'' और प्रत्यक्ष में ठेले के एक कोने पर रखे बूँटों की ओर इंगित किया,

“और बूँट क्या भाव लगाओगे?”

“पच्चीस रुपये किलो।”

“बीस लगाओ।”

“कितने किलो लेंगे?”

“आधा किलो।”

“ठीक है।”

ठेलेवाला बूँट तोल रहा है। नंदन होरहे का एक दाना उठाकर मुँह में डाल लेता है। हूँऊँऊँ, क्या बढिया स्वाद! लगता है, नमक डालकर भूने हैं! काश, ये ही ख़रीद पाता! वो सोच रहा है।

तभी एक बूढ़ी लौहपीटनी वहाँ आ रुकी है। उसके सिर पर लोहे के वज़नदार बर्तनों की टोकरी है जिसे वो हर दिन घंटों उठाये रहने को विवश है -शायद उम्र भर से। उसने होरहों का भाव पूछा है; फिर चुपचाप आगे बढ़ गई है।

...सब स्वाद सबकी पहुँच में होते काश ! इधर दूसरी रेल भी गुज़र गई। फ़ाटक खुलने को है। दुपहिये, चौपहिये अपने चुके हुए धैर्य के साथ दौड़ लगा देने को हड़बड़ाये-बेचैन!

ठेलेवाले ने तोलकर बूँट उसे पकड़ा दिये।

“अरे, पन्नी में तो दो!”

“पन्नी नहीं है सा‘ब। आजकल बड़ी कड़ाई होने लगी है पन्नी की मोटाई-पतलाईपे; सो हमने रखनी ही छोड़ दी।”

“अब मैं स्कूटर पर रखूँगा कहाँ?” -झुंझलाये नंदन ने अगली ओपन डिग्गी में बूँट जबरन ठूँस दिये हैं जहाँ उसका खाने का ख़ाली डिब्बा, एक सुतली, एक टूटा इंडीकेटर और पानी से अधभरी पाँच सौ एमएल वाली सॉफ़्टड्रिंक मार्का बोतल रखी थी।

कुछ बूँटस्कूटर में पैर रखने वाली ख़ाली जगह के बीच आ गिरे। अब एहतियात से स्कूटर चलाकर ले जाना पड़ेगा; रफ़्तार से कहीं राह में न गिर जायें!

स्कूटर पर खड़े-खड़े इधर नंदन ने पैंट की पिछली ज़ेब में पर्स निकालने के लिए हाथ डाला। उधर रेलवे फ़ाटक खुल गया है और भीड़मभीड़ मचाते दुपहिये-चौपहिये दौड़ने को तैयार हो रहे हैं ...यहाँ जीवन एक अनंत दौड़ है जैसे! क्या वाकई अनंत? नंदन की ज़ेब से पर्स नदारत है। ...इस ज़ेब ...उस जेब़ -कहीं भी नहीं!

ओह! घर पर ही भूल आया आज! और दिन भर कार्यालय में उसे ये बात पता भी नहीं चली ?...शहर की रफ़्तार सबसे पहले दिमाग़ को बदहवास करती है!

चेहरे पर सच्चे अफ़सोस के साथ, नंदन ने सब बूँट समेटकर ठेलेवाले की ओर बढ़ाये,

“सॉरी यार, मैं पर्स घर पर ही भूल आया!''

“ पर्स भूल आये ? ...''

“लो वापिस ले लो अपने बूँट।''

पर नंदन के आगे बढ़े हाथ से अब तक ठेलेवाले ने बूँट वापिस नहीं लिए थे।

“...तो कोई बात नहीं! उधार ले जाइये। आपने जरूर अपने बच्चों के लिए लिये हैं!''

...आम आदमी की तजुर्बेकार नज़र!

“पर मैं तुम्हारे पैसे चुकाऊँगा कैसे? कल तुम यहीं मिलोगे ?''

-नंदन ने बूँट वापिस स्कूटर की ओपन डिग्गी में समेट लिये।

“अगर मिल गया तो दे देना।'' मस्त कलंदर वाली आवाज़ में ठेलेवाले ने कहा।

अब, दरअसल पहली बार, नंदन ने ठेले की बिकाऊ चीज़ों से नज़र ऊपर उठाते हुए ठेलेवाले के चेहरे को देखा। ...इतना संतोष कैसे ?

पीछे से बहुत हार्न बजने लगे। हड़बड़ी में नंदन ने स्कूटर को रफ़्तार दे दी; ठेलेवाले को धन्यवाद कह पाने का भी समय न मिल सका।

dangiindira4@gmail.com

BNM Fantasy

Friday
02 February 2024

दीपिका पादुकोण बनीं हेयर स्टाइलिस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों लंदन में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की। फोटोज में दीपिका अपनी बेस्ट फ्रेंड्स स्नेहा रामचंदर और दिव्या नारायण के साथ नजर आ रही हैं। अपनी बेस्टी को हेयर स्टाइल में मदद करते हुए दीपिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हाल ही में दीपिका की दोस्त स्नेहा रामचंदर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की। फोटो में दीपिका बहुत ध्यान से अपनी बेस्ट फ्रेंड के बाल बनाती नजर आ रही हैं। स्नेहा ने कैप्शन लिखा- दीपिका पादुकोण मेरे बाल बनाती हुईं। असिस्टेंट के तौर पर हमारी दोस्त दिव्या नारायण भी मौजूद हैं।

रणबीर कपूर के साथ इंटीमेट सीन देने पर तृप्ति डिमरी ने किया रिएक्ट

रणबीर कपूर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में दो दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। जैसे-जैसे फिल्म सक्सेस की ओर बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे फिल्म के कई पहलुओं पर लोग बात कर रहे हैं। 'एनिमल' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बीच रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के बीच फिल्माया गया इंटिमेट सीन भी काफी चर्चा में है। सोशल मीडिया पर रणबीर और तृप्ति के बीच के न्यूड सीन को लेकर काफी हलचल मची है। कुछ फैंस ने इस क्राफ्ट की तारीफ की, तो कुछ ने इसे हाइरेटेड मूवी बात कर परिवार के साथ न देखने की नसीहत दी। इस बीच ऐक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने रणबीर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है। एनिमल' में रणबीर कपूर का तृप्ति डिमरी के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर दिखाया है। फिल्म में दोनों का इंटीमेट सीन है। सोशल मीडिया पर उस समय सीन से जुड़ी एक फोटो वायरल हुई है, जिसमें तृप्ति सेमी न्यूड लेटी हैं और रणबीर उनके पेट पर सिर रखे हुए हैं। रणबीर के साथ थोड़े टाइम के लिए ही तृप्ति ने स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। उनके साथ काम करने की एक्सपीरियंस ने एक्ट्रेस ने कहा कि वह दोबारा रणबीर के साथ कोलैबोरेट करने की उम्मीद रखती हैं। इस फिल्म ने दो दिनों में 100 करोड़ के पार की कमाई कर डाली है। शनिवार को मूवी ने 66.27 करोड़ की कमाई की।

फेक न्यूज पर फूटा कृति सेनन का गुस्सा

कृति सेनन ने लिया लीगल एक्शन

नेशनल अवॉर्ड विनर कृति सेनन (Kriti Sanon) को लेकर खबरें चल रही हैं कि उन्होंने करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण के एक एपिसोड में कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स का प्रमोशन किया है। अब अभिनेत्री ने इन खबरों को झूठा बताकर लीगल एक्शन लिया है। एक्ट्रेस से बिजनेसवुमन बनीं कृति सेनन आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री पिछले साल चैट कॉफी विद करण में पहुंची थीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अभिनेत्री ने शो में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स का प्रमोशन किया है। अभिनेत्री ने इन खबरों को झूठा बताया है। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ न्यूज के स्क्रीनशॉट को शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने 'फेक न्यूज' का स्टिकर लगाया है। साथ ही लिखा है, "फेक न्यूज अलर्ट।" यही नहीं, अभिनेत्री ने एक स्टेटमेंट जारी कर फेक न्यूज फैलानों वालों पर लीगल एक्शन लेने की बात कही है।कृति सेनन ने स्टेटमेंट जारी कर कहा, "कॉफी विद करण में मेरे द्वारा कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को प्रमोट करने के बारे में कई आर्टिकल्स वायरल हो रहे हैं, जो झूठे हैं। यह आर्टिकल पूरी तरह से फर्जी और झूठे हैं और बेईमानी व गलत इरादे से प्रकाशित किए गए हैं। यह आर्टिकल मानहानिकारक हैं और मुझे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ने का झूठा दावा कर रहे हैं।"कृति सेनन ने आगे कहा, "मैंने शो में कभी भी किसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के बारे में बात नहीं की है। मैंने ऐसे झूठे आर्टिकल्स और रिपोर्टों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और कानूनी नोटिस जारी किया है। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि ऐसी झूठी, फर्जी और मानहानिकारक रिपोर्टों से सावधान रहें।" कृति सेनन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अब एक प्रोड्यूसर भी बन गई हैं, जो जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' को प्रोड्यूस करेंगी। इस फिल्म में वह काजोल के साथ स्क्रीन भी शेयर करती दिखेंगी। इसके अलावा उनके पास फिल्मों की एक लंबी लिस्ट है, जिसमें 'द क्रू', 'हाउसफुल 5' और शाहिद कपूर के साथ रोमांटिक फिल्म शामिल है।